

अवधनामा

राजमाता माधवी राजे पंचतत्व में विलीन

अलविदा

- श्रद्धांगलि के लिए उमड़ा
जनसैलाब
- देटे ज्योतिरादित्य सिधिया
ने मां को दी मुख्याग्नि

गवालियर। सिधिया राजघरने की राजमाता व ज्योतिरादित्य सिधिया की मां का निधन हो गया था। गुरुवार को गवालियर में माधवी पंचतत्व में विलीन हो गई। ज्योतिरादित्य सिधिया राजघरने के साथ राजनीतिक जगत की तीव्र महिलाओं मौजूद रहीं। वहीं नेपाल, जहां भारी मौजूद रहीं। वहीं गुरुवार को उक्तीकी पार्थिव देह एमपी के गवालियर लाई गई, जहां भारी मौजूद रहीं। गुरुवार को वाला दिन है, व्यक्तित द्वारा वाला दिन है। राजमाता जी हमारे बीच में घटे हैं। लिए पार्थिव राज और अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। बता दें कि उन्हें ज्योतिरादित्य सिधिया ने मां को बैठे ज्योतिरादित्य सिधिया के लिए रखा गया था। बता दें कि उन्हें बैठे ज्योतिरादित्य सिधिया ने मां को मुख्याग्नि दी। बीजेपी के विरुद्ध नेता सुरेश



सांस ली थी। विलीन स्थित सिधिया की मां का निधन हो गया था। गुरुवार को गवालियर में माधवी वाला दिन है, व्यक्तित द्वारा वाला दिन है। वहीं अंतिम दर्शन के लिए कई हस्तियां पहुंची थीं। वहीं, गुरुवार को उक्तीकी पार्थिव देह एमपी के गवालियर लाई गई, जहां भारी मौजूद रहीं। वहीं गुरुवार को वाला दिन है, व्यक्तित द्वारा वाला दिन है। राजमाता जी हमारे बीच में घटे हैं। लिए पार्थिव राज और अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। बता दें कि उन्हें ज्योतिरादित्य सिधिया ने मां को बैठे ज्योतिरादित्य सिधिया के लिए रखा गया था। बता दें कि उन्हें ज्योतिरादित्य सिधिया ने मां को मुख्याग्नि दी। बीजेपी के विरुद्ध नेता सुरेश

एमपी मौदी ने कहा, पराजय के बाद बलि के बकरे को खोजा जाएगा खटाखट खटाखट। उन्होंने उन सब से संबंध निभाये हैं।

सीतामढ़ी में बनाएंगे भव्य सीता मंदिर : शाह

जनसभा

- बिहार ने अग्रिम शाह का बड़ा ऐलान
- नरेन्द्र मोदी देश के सबसे पहले अंतिम प्रधानमंत्री हैं : गृहनंती



सीता के जीवन जैसा आदर्श मंदिर बना सकता है तो वह नरेन्द्र मोदी है, वह भाजपा है। दरअसल, अग्रिम शाह मां जानकी की जमास्तली सीतामढ़ी में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

देवी सीता मंदिर के लिए शह की वकालत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस साल जनरी में अयोध्या में राम मंदिर के अधिकार समारोह की अध्यक्षता करने के महीनों बाद आई है। अपने खुद को राम मंदिर से दूर रखा थे ऐसा नहीं कर सकते, लेकिन अगर कोई भाजपा विमान अंतिम शाह की सीतामढ़ी में एक लौटी करेंगे।

आलोचना की, जिनकी पार्टी विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक की सदस्य है। वहीं, मधुबनी में उन्होंने कहा कि मोदी जी ने अपी-अभी कर्पूरी त्रिकूप जी को भारत रत का समान दिया। कर्पूरी त्रिकूप जी के दलित, वाचत, आदिवासी, पिछड़ी, माताओं और किसानों की आवाज बुलाने के अधिकार समारोह की अध्यक्षता करने के महीनों बाद आई है। अपने खुद को राम मंदिर से दूर रखा थे ऐसा नहीं कर सकते, लेकिन अगर कोई भाजपा विमान अंतिम शाह की सीतामढ़ी में एक लौटी करेंगे।

(राजद) प्रमुख लालू प्रसाद की

सीतामढ़ी की सीतामढ़ी विमान अंतिम शाह की सीतामढ़ी में देवी सीता का मंदिर बनाया। उन्होंने कहा कि हम, भाजपा वाले बींच से हाथी डरते।

केंद्रीय मंत्री ने बिहार के सीतामढ़ी में एक लौटी करेंगे, जो प्रधानमंत्री के लिए शह की सीतामढ़ी में देवी सीता का मंदिर बनाया। उन्होंने कहा कि हम, भाजपा वाले बींच से हाथी डरते।

देवी सीता मंदिर के लिए शह की वकालत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस साल जनरी में अयोध्या में राम मंदिर के अधिकार समारोह की अध्यक्षता करने के महीनों बाद आई है। अपने खुद को राम मंदिर से दूर रखा थे ऐसा नहीं कर सकते, लेकिन अगर कोई भाजपा विमान अंतिम शाह की सीतामढ़ी में एक लौटी करेंगे।

50-60 के दशक में एक चार्चा चलती

थी कि लोहिया जी की ओरें देश में चलेंगी या नहीं। मैं आज लोहिया जी को प्रणाली करके कहना चाहता हूं कि अति प्रियोंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को सबसे ज्यादा आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को सबसे ज्यादा आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी। वहीं उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी। उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी। उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी। उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम शाह की ओरें देश में चलेंगी।

उन्होंने कहा कि ये इंडिया के बालों को अंतिम

कुछ तो गड़बड़ है, सवाल हर तरफ उठ रहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नामकरन के दौरान मंगलवार को बारापांची में दियाजों का जुटान हआ। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और अपने संसदे कीरीं भाजपा द्विजन सुशील कुमार मोदी के निधन के बाद मंगलवार को पटना में राजकीय सम्मान के साथ उनकी अंतिम दिवानी का आदेश दिया, मगर खुद नीतीश कुमार पटना में रहकर भी दीवान नहीं गए। 16 वर्षों से हर साल 14 मई को अपनी दिवान तकी प्रामाण्य स्थल तक जाने वाले नीतीश कुमार 17 वर्षों पूर्वी एवं एक पक्की की सरकारी विवाह जारी रहे।

सवाल उड़ाना स्थानान्वित था, तभी तब्दील खराब होने की एक पक्की की सरकारी विवाह जारी रहे। लेकिन, इन तीन में से दो स्थानीय मोदीं पर उनका नहीं जान; उनकी पार्टी दल युनाइटेड के नेताओं की ओर जाए तो उपर्युक्ती की अपनी विवाह की आम जनता भी प्रधानमंत्री नोटेंड मोदी के रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री की तरवीरों को देखकर चिरचित है।



सवाल कर रहे हैं कि कहीं ज्यादा मुश्किल में तो नहीं नीतीश कुमार लातार अजीव बयानों और बुद्धिमत्ता के रहकर विवाहों में आने लगे थे। मंत्री अशोक चौधरी का सिर टकराने, पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम माझी की तू-तड़क करने,

पिछले कीरीं नौ मीटिंग से फिजा में है। तब महागठबंधन की सरकार थी। जद्यू की कमान तकालीन अधिकारी राजीव रेजन सिंह उक्त ललन सिंह संभाल है थे। तब भारीतीय जनता पार्टी विषय में थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लातार अजीव बयानों और बुद्धिमत्ता के रहें बुलेटिन जारी हो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वापस आशीर्वाद दिलाने, पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम माझी की तू-तड़क करने,

मेडिया के सामने हाथ जोड़कर जुकने, विधानमंडल के दोनों सदनों में जनसंरक्षण नियत्रण का फॉर्मूला बताने जैसी कई घटनाओं के बाद भाजपा ने आरोप लगाया कि सीएम नीतीश कुमार के साथ साजिश रची जा रही है। उन्हें गलत दवा दी जा रही है। तकालीन विपक्षी दल भाजपा ने तब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हेल्प बुलेटिन जारी हो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वापस आशीर्वाद दिलाने, पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम माझी की तू-तड़क करने,

28 जनवरी को नीतीश कुमार वापस आशीर्वाद दिलाने, पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम माझी की तू-तड़क करने,

जानें ग्वालियर रियासत की राजमाता को : नेपाल राजधानी से था ताल्लुक शादी के बाद किरण से बनी माधवी राजे सिंधिया



महारानी जो पति की मौत के बाद बनी राजमाता

- 1966 में सिंधिया राजधानी के राजकुमार माधवराव से हुआ विवाह
- मराठी परंपरा के अनुसार शादी के बाद बदला गया था नाम
- 56 साल की उम्र में पति माधवराव को विमान हादसे में खोया
- बेटे ज्योतिरादित्य सिंधिया को संपीट पति की राजनीतिक विरासत बेटे ज्योतिरादित्य सिंधिया के लिए छोड़ दिया

दिल्ली में हुई थी। ग्वालियर के लोग बारात में शामिल हों, इसके लिए एक सशाल ट्रेन भी चलवाई गई थी।

जिसमें देश-विदेश के मेहमान शामिल हुए थे।

माधवराव से विवाह के बाद माधवी राजे के राजीनीति में अपने के कथावासी भी लगते रहे। माना जा रहा था कि वह साल 2004 के लोकसभा चुनाव में ग्वालियर चुनावी मैदान में जारी सकती है। लेकिन, माधवी राजे ने खुद को राजनीति से दूर ही रखा।

अपने पति माधवराव सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे की राजनीतिक विरासत बेटे ज्योतिरादित्य सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी और माधवराव का रिश्ता ग्वालियर राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया ने तय किया था। साल 1966 में माधवी राजे की शादी

माधवराव सिंधिया से हुई थी।

उस दौर में हुई थी शाही शादी

माधवी और माधवराव का रिश्ता ग्वालियर राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया ने तय किया था। पहले उन्हें महारानी कहा जाता था। लेकिन, माधवराव के निवार के बाद उन्हें राजमाता कहा जाता था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

माधवी राजे के पात्र पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव राजधानी के राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए छोड़ दिया था।

